अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष – **2025**

रिपोर्ट: **सहकारिता साक्षरता शिविर (Cooperative Literacy Camp)**

कार्यक्रम का नाम: **सहकारिता साक्षरता शिविर (Cooperative Literacy Camp)**

आयोजक: जिला वकास प्रबंधक (DDM), नाबार्ड, देवघर

स्थान: झारखंड स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक (JStCB), करों शाखा, देवघर

ति थ: 10/06/2025

प्रतिभागी: सारठ, करों एवं मरगोमुंडा प्रखंडों के 13 प्राइमरी एग्रीकल्चरल क्रे डट सोसाइटीज़ (PACS), जो PACS कम्प्यूटरीकरण कार्यक्रम के द् वतीय चरण में चयनित हैं।

उद्घाटन सत्र:

श वर का उद्घाटन जिला वकास प्रबंधक (DDM), JStCB की करों, चतरा एवं सारठ शाखाओं के शाखा प्रबंधकों, तथा चयनित PACS के अध्यक्षों एवं स चवों द्वारा संयुक्त रूप से कया गया। उद्घाटन सत्र में सहकारिता आंदोलन की ऐतिहा सक पृष्ठभू म, इसकी भू मका और महत्ता पर प्रकाश डाला गया

प्रमुख वषयवस्तु पर परिचर्चा:

1. भारत में सहकारिता का गौरवशाली इतिहास:

भारत में सहकारिता आंदोलन की जड़ें "वसुधैव कुटुंबकम्" जैसे सांस्कृतिक मूल्यों में समाहित हैं। प्रतिभा गयों को स्वतंत्रता पूर्व और स्वतंत्रता पश्चात सहकारिता के वकास क्रम से अवगत कराया गया।

2. सहकारिता के सात अंतर्राष्ट्रीय सद्धांत:

प्रतिभा गयों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत सात सद्धांतों की जानकारी दी गई, जिनमें शा मल हैं:

- स्वैच्छिक एवं खुली सदस्यता
- लोकतांत्रिक नियंत्रण
- आ र्थक भागीदारी
- स्वायत्तता एवं स्वतंत्रता
- शक्षा, प्र शक्षण एवं सूचना

- सहकारिताओं में सहयोग
- समुदाय के प्रति उत्तरदायित्व

3. भारत में सहकारी स मतियों के प्रकार:

प्रमुख सहकारी मॉडलों का परिचय उदाहरणों सहित दिया गया:

- क्रे डट व बैं कंग: PACS, अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक
- डेयरी: अमूल, सुधा (COMFED)
- कृ ष एवं उर्वरक: इफको, कृभको
- आवास: त्रिप्लिकेन अर्बन को-ऑपरेटिव सोसाइटी
- वपणन एवं उत्पादक: NAFED, अमूल
- कर्मचारी आधारित सहकारी: केरल दिनेश (बीड़ी श्र मक

भारत सरकार की नवीनतम पहलें:

प्रतिभा गयों को सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा "सहकार से समृद् ध" के उद्देश्य से शुरू की गई व भन्न योजनाओं व सुधारों की जानकारी दी गई, जिनमें शा मल हैं:

- मॉडल उप व धयाँ
- PACS कम्प्यूटरीकरण (चरण I एवं II)
- प्रत्येक पंचायत में बहुउद्देश्यीय PACS, डेयरी व मत्स्य सहकारी स मतियों की स्थापना
- वकेंद्रीकृत खाद्यान्न भंडारण योजना
- PACS को CSC, ईंधन डीलर, जन औष ध केंद्र, पीएम कसान समृद् ध केंद्र बनाना
- FPO/FFPO का गठन
- PACS को माइक्रो एटीएम व रूपे KCC जारी करने की सु वधा
- पीएम-कुसुम योजना का PACS स्तर पर क्रयान्वय

वशेष सत्र – **PACS** कम्प्यूटरीकरण (चरण-**II):**

- पहले चरण की सफलता को साझा कया गया।

- द् वतीय चरण में चयनित PACS को डाटा माइग्रेशन, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालन व प्र शक्षण संबंधी जानकारी प्रदान की गई।

नाबार्ड एवं राज्य सरकार की योजनाएं:

नाबार्ड द्वारा सहकारिता क्षेत्र के वकास हेतु संचा लत योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही सहकारी योजनाओं पर भी चर्चा की गई।

समापन सत्र एवं प्रेरणादायक उदाहरण:

श वर के समापन सत्र में सफल सहकारी संस्थाओं की प्रेरणादायक कहानियाँ साझा की गईं:

- अमूल, इं डयन कॉफी हाउस
- झारखंड की मॉडल PACS
- नाबार्ड द्वारा MSC व CDF योजनाओं के अंतर्गत सम र्थत PACS

निष्कर्ष:

यह सहकारिता साक्षरता श वर प्रतिभागी PACS प्रतिनि धियों के लए एक ज्ञानवर्धक, तकनीकी रूप से सक्षम और नीति-प्रेरित मंच सद्ध हुआ। इससे उन्हें सहकारी क्षेत्र में नवाचार, शासन और प्रबंधन के क्षेत्र में अद्यतन जानकारी प्राप्त हुई तथा वे भ वष्य की योजनाओं के लए बेहतर रूप से तैयार हो सके।

फोटो ववरण

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)
NABARD
International Year of Co-operatives
2025
Co-operatives Build a Better World
CO-OPERATIVE LITERACY CAMP
सहकारिता साक्षरता शिविर
– 10 जून 2025
DEEPAK